दिनांक : 13.11.2024 समय : 0705

<><><><><><><>

- द्वीपों के मत्स्य पालन और जलीय कृषि क्षेत्र में निवेश के अवसरों पर ''निवेशक सम्मेलन'' कल स्वराज द्वीप में आयोजित किया जाएगा।
- देश में मौखिक स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार लाने के लिए सरकार ने राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की शुरूआत की।
- मध्योत्तर अण्डमान ज़िला प्रशासन की ओर से सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है।
- दक्षिण अण्डमान के फेरारगंज में ग्रामीण महिलाओं के लिए ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया।
- युवा मामले और खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल पुरस्कार दो हजार चौबीस के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं।

<><><><><><><>

मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार और मत्स्य पालन विभाग, अंडमान और निकोबार प्रशासन एन.एफ.डी.बी, हैदराबाद के सहयोग से कल स्वराज द्वीप में 'अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के मत्स्य पालन और जलीय कृषि क्षेत्र में निवेश के अवसरों' पर एक 'निवेशक सम्मेलन' आयोजित किया जाएगा। निवेशकों के सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य पैसठ हजार चार सौ मीट्रिक टन टूना संसाधन क्षमता का उपयोग करने के लिए रोडमैप तैयार करना, वाणिज्यिक समुद्री शैवाल खेती और पिंजरा संस्कृति शुरू करने की योजना तैयार करना और झींगा पालन और केकड़े पालन के लिए अंडमान और निकोबार प्रशासन द्वारा पहचाने गए खारे पानी के क्षेत्र का उपयोग करना है। अंडमान एवं निकोबार प्रशासन अपने मुख्य प्रस्तुतीकरण में विभिन्न विकासात्मक गतिविधियों की स्थिति, क्षेत्र में हाल की उपलब्धियों और द्वीपसमूह में मत्स्य पालन एवं जलीय कृषि प्रतिष्ठानों की स्थापना के लिए अंडमान एवं निकोबार प्रशासन द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में विस्तार से चर्चा की जाएगी। समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण, कोचीन द्वीपसमूह से निर्यात संवर्धन पर एक प्रस्तुति सत्र देगा, जबकि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वीपसमूहों में समुद्री कृषि के विकास के लिए रोडमैप प्रस्तुत करेगा। बीओबीपी–आईजीओ, चेन्नई अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में टूना मत्स्य पालन एवं मूल्य श्रृंखला के विकास पर एक सत्र आयोजित करेगा। इस दौरान फिक्की, एसोचैम, भारतीय परिसंघ, भारतीय समुद्री खाद्य निर्यातक संघ, भारतीय समुद्री शैवाल संघ और अंडमान एवं निकोबार मत्स्य उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ संवादात्मक सत्र आयोजित किया जाएगा।

<><><><><><><>

देश में मौखिक स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार लाने के लिए, सरकार ने मौजूदा स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं में एकीकृत, व्यापक मौखिक स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के लिए एक राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की शुरूआत की। इसका उद्देश्य मौखिक स्वास्थ्य में सुधार करना, मौखिक रोगों से होने वाली बीमारी को कम करना, मौखिक स्वास्थ्य संवर्धन और निवारक सेवाओं को सामान्य स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के साथ एकीकृत करना है। इस संदर्भ में, स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के सहयोग से राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, राज्य स्वास्थ्य सोसायटी की ओर से सीनियर सेकेंडरी स्कूल, ओरलकच्छा में दंत चिकित्सा जांच और जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान उन्नीस छात्रों में मादक द्रव्यों के सेवन की आदत पाई गई। मरीजों और छात्रों को मौखिक स्वच्छता बनाए रखने और मादक द्रव्यों के सेवन के मामलों वाले छात्रों को परामर्श दिया गया। प्राथमिक कक्षा के छात्रों को टूथपेस्ट के साथ ब्रश वितरित किए गए। हाल ही में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बाराटांग में करीब तिरानब्बे मरीजों की जांच की गई। मौखिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए दंत सर्जन डॉ. संजीव जयचंद और डॉ. फरहीन कामिल ने विशेष रूप से जानकारी प्रदान की। जांच के दौरान दो सौ पचास से अधिक बच्चों की मौखिक जांच की गई। इनमें से अट्ठारह छात्रों को आगे के इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बाराटांग भेजा गया।

<><><><><><><>

मध्योत्तर अण्डमान ज़िला प्रशासन की ओर से सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ चलाए गए अभियान के तहत ढ़ाई हेक्टेयर सरकारी जमीन को अतिक्रमणकारियों से मुक्त कराया गया। डिगलीपुर तहसील

के किशोरीनगर गांव में अतिक्रमणकारियों द्वारा उगाए गए सुपारी, नारियल, केले और सब्जी के बगीचे को हटाया गया। ज़िला उपायुक्त ने आम जनता को आगाह किया है कि वे सरकारी जमीन पर अतिक्रमण न करें।

<><><><><><><>

आकाशवाणी के श्री विजयपुरम केन्द्र से आज लाईव फोन–इन कार्यक्रम हैलो डॉक्टर प्रसारित किया जाएगा। कार्यक्रम का विषय रहेगा–टी एम जे विकार–कारण, लक्षण और उपचार। कार्यक्रम में विशेषज्ञ डॉ. प्रतिक्षा मल्होत्रा श्रोताओं से संवाद करेंगी। श्रोता फोन संख्या दो तीन दो पांच–पांच आठ और दो तीन दो तीन तीन छः पर डायल कर अपने प्रश्न पूछ सकते हैं। कार्यक्रम आज शाम साढ़े छः बजे से सुना जा सकता है।

<><><><><><><>

दक्षिण अण्डमान के फेरारगंज में ग्रामीण महिलाओं के लिए 'गरीबों की संस्थाओं को मजबूत बनाना – पंचायत विकास में भागीदारी के लिए ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाना' विषय पर एक ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं, विशेष रूप से निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों और सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों को पंचायत विकास में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल के साथ शिक्षित और सशक्त बनाना था। खण्ड विकास अधिकारी ललिता टिग्गा ने सभा को संबोधित किया। ग्रामीण विकास विभाग की डोमेन विशेषज्ञ सी. विजया ने सत्र की शुरुआत की और पंचायत मामलों में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने महिला नेताओं द्वारा अपने समुदायों में किए जा सकने वाले परिवर्तनकारी प्रभाव पर प्रकाश डाला।

<><><><><><><>

कैम्पबेल–बे के स्कूली विद्यार्थियों के लिए ई. एन. टी. जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में जी. बी. पन्त के डॉ. सत्येन अरूण मारण और डॉ. सुप्रीत कुमार माहर ने स्कूली विद्यार्थियों की चिकित्सीय जांच की और उनमें दवाईयों का वितरण किया।

<><><><><><><>

युवा मामले और खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल पुरस्कार दो हजार चौबीस के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। खेलों में उत्कृष्टता को मान्यता देने और पुरस्कृत करने के लिए हर साल राष्ट्रीय खेल पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। इनमें "अर्जुन पुरस्कार" खिलाड़ी को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया जाता है। "अर्जुन पुरस्कार (आजीवन)" खेल विकास में आजीवन योगदान के लिए दिया जाता है। "द्रोणाचार्य पुरस्कार" प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में पदक विजेता तैयार करने वाले कोचों को दिया जाता है। "राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार" किसी भी कॉर्पोरेट इकाई, सार्वजनिक या निजी और गैर–सरकारी संगठनों को दिया जाता है, जिसने खेल संवर्धन और विकास के किसी एक या एक से अधिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय भूमिका निभाई हो। पुरस्कार के लिए पात्र खिलाड़ियों, कोचों और संस्थाओं को कल तक पंजीकृत करके ऑनलाइन पोर्टल dbtyas-sports.gov.in पर आवेदन जमा करना होगा। पुरस्कारों के लिए दिशा–निर्देश पोर्टल में "नॉलेज हब टैब" के अंतर्गत डाउनलोड किए जा सकते हैं।

<><><><><><><>

दक्षिण अंडमान शैक्षिक अंचल के स्कूली विद्यार्थियों के सोलह वर्ष से कम आयु वर्ग के लड़के और लड़कियों के लिए कब्बडी नॉकआउट टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। उद्घाटन अवसर पर शिक्षा विभाग के सहायक निदेशक खेल इरशाद अहमद मुख्य अतिथि थे और खेल विभाग के सहायक निदेशक, खेल बिश्वनाथ सेन सम्माननीय अतिथि थे। बॉयस स्कूल और जी. डी. एम. एस. स्कूल मैदान में कल लड़कों के कुल आठ और लड़कियों के सात मैच खेले गए।

<><><><><><><>

ग्राम पंचायत कन्यापुरम की ग्राम सभा की बैठक आज सुबह दस बजे मॉडल विलेज के सामुदायिक हॉल में होगी। सभी संबंधित विभागाध्यक्षों से इसमें शामिल होने को कहा गया है।

<><><><><><><>